कृपया अपनी बाईबल के हर एक वचन को ध्यान से और पूरी तरह से पढ़ें।

तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

ज्यादातर वचन अंग्रेजी की किंग्स जेम्स वर्शन की बाईबल से लिए गए हैं।

आज हम **परमेश्वर के राज्य** के बारे में अध्यन्न करेंगे!!

➡ यह राज्य **क्या** है?

➡ यह राज्य **कब** आएगा?

➡ और इस राज्य की स्थापना **कैसे** की जायेगी?

हम इन सवालों के उत्तर पर ध्यान देंगे और सम्भवतः बाईबल के **सबसे महत्वपूर्ण विषय** -- और विशेष रूप से **नए नियम** के सबसे महत्वपूर्ण विषय का अध्यन्न करेंगे।

☞ हम देखते हैं कि यूहन्ना बपतिस्मा देने-वाला का **प्रथम** शब्द इस राज्य के बारे में था–

मत्ती (Mathew) 3:1-2 "...यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आकर यहूदिया के जंगल में यह प्रचार करने लगा: मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है"

☞ और ये ही यीशु के भी **प्रथम** शब्द थे, जैसा कि हम एक वचन में पढ़ते हैं -

मत्ती (Mathew) 4:17 "उस समय से यीशु ने प्रचार करना और यह कहना आरम्भ किया, मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है"

यीशु के **39 दृष्टान्तों** में से बहुत सारे दृष्टान्त इस राज्य के बारे में थे--

☞ वास्तव में मत्ती के **13 वें अध्याय** में **7** ऐसे दृष्टान्तों को हम देखते हैं और वे **"राज्य के दृष्टान्तों"** के नाम से जाने जाते हैं।

☞ यहाँ तक कि वह प्रार्थना जिसे यीशु ने अपने चेलों को सिखाया था, उसमें राज्य का जिक्र था और राज्य के लिए प्रार्थना भी की गई थी, जिसे हम एक वचन में पढ़ते है -

मत्ती (Mathew) 6:10 "तेरा राज्य आए। तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो"

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

और एक वचन में हम यह भी पढ़ते हैं कि यीशु के द्वारा किये गए सुसमाचार के प्रचार को **"राज्य का सुसमाचार"** कहा जाता था -

मत्ती (Mathew) 9:35 "यीशु सब नगरों और गांवों में फिरता रहा और उनके आराधनालयों में उपदेश करता, और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा"

चेलों को भी अपने प्रथम प्रचार के अभियान पर यह कहने के लिए कहा गया था कि -
मत्ती (Mathew) 10:7 "और चलते--चलते यह प्रचार करो: स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है"

इसलिए हम देखते हैं कि बाईबल में राज्य का यह विषय कितना **महत्वपूर्ण** है और यह विषय यीशु और उनके चेलों के लिए भी कितना महत्वपूर्ण था।

लेकिन आज ऐसा क्यों है कि चर्चों में और ईसाईयों के बीच इस राज्य की ज्यादा बात नहीं की जाती है?

इसकी वजह पवित्र शास्त्र का यह एक वचन है जिसे हम अंग्रेजी की KJV संस्करण की बाईबल से पढ़ेगें -
लूका (Luke) 17:20,21 "जब फरीसियों ने उससे पूछा कि परमेश्वर का राज्य कब आएगा, तो उसने उनको उत्तर दिया, परमेश्वर का राज्य दृश्य रूप में नहीं आता। और लोग यह न कहेंगे, देखो, यहां है, या वहां है। क्योंकि देखो, परमेश्वर का राज्य तुम्हारे बीच में है"
… "The Kingdom of God is within you" जिसे यदि हिन्दी में अनुवाद किया जाये तो उसका मतलब होगा --"परमेश्वर का राज्य तुम्हारे अन्दर है"।

जी हाँ! वहां पर है! कारण!

तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है

इसी कारणों से, हम ये देखते हैं कि, आम दृष्टिकोण यह हो गया है कि परमेश्वर का राज्य लोगों के दिल के भीतर होता है **न** कि पृथ्वी पर **प्रत्यक्ष** रूप से वास्तव में कोई राज्य आना है!

और इसलिए महान मिशनरी कार्य में दुनिया को **परिवर्तित** करने के प्रयासों को हमेशा किया गया है और इस प्रकार पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य को सभी लोगों को इसाई धर्म में परिवर्तित करने का प्रयास करके **"मनुष्यों के ह्रदय"** में स्थापित किया जा रहा है!

क्या यह सत्य है?

लूका 17:20 वचन को ध्यान से पढ़ने पर यह प्रकट होगा कि यीशु उत्तर में फरीसियों को बोल रहे थे --जिन्हें यीशु ने सार्वजनिक रूप से "कपटी" और "चूना फिरी हुई कब्रों" के नाम से सम्बोधित किया था।

मत्ती (Mathew) 23:27 “हे कपटी शास्त्रियों और फरीसियों, तुम पर हाय! तुम चूना फिरी हुई कब्रों के समान हो जो ऊपर से तो सुन्दर दिखाई देती हैं, परन्तु भीतर मुर्दों की हिड्डयों और सब प्रकार की मलिनता से भरी हैं”

तब क्या यीशु का **अभिप्राय** यह था कि परमेश्वर का राज्य उन फरीसियों के दिलों के भीतर हो सकता है?

निश्चय ऐसा नहीं हो सकता!!

तब यीशु के कहने का अर्थ **क्या** था?--

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इस प्रशन का उत्तर हमें अंग्रेजी की NIV संस्करण की बाईबल में मिलेगा। लूका 17:20,21 वचन के नीचे में, उस बाईबल में जो **"फुटनोट"** दिया गया है, उसके अनुसार, … "The kingdom of God is **"among you"**

अब हम हिन्दी बाईबल में इस वचन को पढ़ते हैं -- …" परमेश्वर का राज्य तुम्हारे बीच में है"। हिन्दी बाईबल का यह अनुवाद बिल्कुल ठीक है, (NIV संस्करण जो कि सबसे नया संस्करण है, उसके आधार पर है) लेकिन इसाईयों ने KJV या अन्य संस्करणों में "within you" पढ़कर (तुम्हारे अन्दर है) यह समझा कि परमेश्वर के राज्य को लोगों के ह्रदय में स्थापित करना है, और इसलिए हम ज्यादातर मिशनरी कार्यों का उद्देश्य लोगों को इसाई धर्म में बदलना देखते हैं।

इसका मतलब यह था कि वास्तव में यीशु ये कहना चाहते थे की परमेश्वर का राज्य कभी भी बड़े दिखावे या प्रदर्शन के साथ नहीं आएगा बल्कि चुपके से आएगा और कुछ समय **सबों** के लिए **अँधेरा** या **अज्ञात** रहेगा और बहुत बाद में यह एहसास होगा कि परमेश्वर का राज्य **पहले से ही** आ चूका है और **उनके बीच** में **पहले** से ही था!!

…"देखो, परमेश्वर का राज्य तुम्हारे बीच में है"

इसलिए हम देखते हैं परमेश्वर का राज्य असलियत में एक राज्य होगा, जो कि पूरी पृथ्वी पर फ़ैल जाएगा और राज्य करेगा।

दरअसल परमेश्वर का यह राज्य इस धरती पर एक लम्बे समय **पहले** मौजूद था!

कब? क्या आप बता सकते हैं?

हाँ! **यह अदन की वाटिका में था!--**

परमेश्वर ने आदम को बनाया और उसे **राजा** नियुक्त किया और उसे पृथ्वी का राजा होने के लिए दे दिया।

इसे हम एक वचन में देखते हैं -

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

उत्पत्ति (Genesis) 1:26 “फिर परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें”

एक वचन में उसी प्रभुत्व और राजस्व के बारे में बताया गया था -

भजन संहिता (Psalms) 8:5 “क्योंकि तू ने उसको परमेश्वर से थोड़ा ही कम बनाया है, और महिमा और प्रताप का मुकुट उसके सिर पर रखा है”

लेकिन हम देखते हैं **बहुत जल्द**, बाद में उसे राजा आदम ने अपने मुकुट और राज्य को खो दिया!

हव्वा ने धोखा खाया था और आदम ने उसके पीछे होने का **फैसला** लिया!

और इसके बाद से आदम और उसके परिवार गुलाम बन गए और शैतान और उसके दूतों ने उन पर राज किया है।

हाँ! शैतान ने **अन्याय पूर्वक** आदम की **सत्ता छीन ली** और मनुष्यों पर प्रभुता करने लगा और अपना ही राज्य स्थापित करना शुरू कर दिया।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इसके अलावा **मनुष्यों ने अपने साथी मनुष्यों पर राज करना** और अन्य मनुष्यों पर राज को स्थापित करना और उन्हें वश में रखना शुरू कर दिया। मनुष्यों के लिए परमेश्वर की इच्छा यह कभी **नहीं** थी लेकिन उन्होंने इन परिस्थितयों की **अनुमति** एक सबक के रूप में कुछ समय के लिए दे दी।

☞ समय बीतने के बाद परमेश्वर ने अपने राज्य की स्थापना **प्रतीकात्मक** रूप में इस्राएल के निज लोगों के बीच में की। इस्राएल के राजाओं के लिए यह कहा जाता था कि वे-- **"यहोवा के सिंहासन" पर विराजमान होते हैं।**

इसके बारे में हम एक वचन में पढ़ते हैं -

1 इतिहास (Chronicles) 29:23 “तब सुलैमान अपने पिता दाऊद के स्थान पर राजा होकर यहोवा के सिंहासन पर विराजने लगा और समृद्धशाली हुआ, और इस्राएल उसके आधीन हुआ”

ऐसा एक समय तक के लिए जारी रहा जब तक की आखरी दुष्ट राजा -- यहूदा का राजा ज़ेदीकिया, जिसके बारे में परमेश्वर ने यहेजकेल भविष्यद्वक्ता के माध्यम से एक वचन में यह कहा --

यहेजकेल (Ezekiel) 21:25-27 “हे इस्राएल दुष्ट प्रधान, तेरा दिन आ गया है; अधर्म के अन्त का समय आ पहुँचा है। तेरे विषय में परमेश्वर यहोवा यों कहता है: पगड़ी उतार, और मुकुट भी उतार दे; वह ज्यों का त्यों नहीं रहने का; जो नीचा है उसे ऊंचा कर और जो ऊंचा है उसे नीचा कर। मैं उसको उलट दूंगा और उलट पुलट कर दूंगा; हां उलट दूंगा और जब तक उसका अधिकारी न आए तब तक वह उलटा हुआ रहेगा; तब मैं उसे दे दूंगा”

इस प्रकार से इस्राएल में परमेश्वर का प्रतिकात्मक राज्य का अन्त आ गया --और इसके बाद परमेश्वर ने **अन्य जातियों को सामर्थ के साथ शासन करने की अनुमति दे दी**-- जिसे बाईबल में "अन्य जातियों का समय" कहा जाता है।

लूका (Luke) 21:24 “वे तलवार के कौर हो जाएंगे, और सब देशों के लोगों में बन्दी होकर पहुंचाए जाएंगे; और जब तक अन्य जातियों का समय पूरा न हो, तब तक यरूशलेम अन्य जातियों से रौंदा जाएगा”

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इस अवधी के विवरण का अध्यन्न हम भविष्य के पाठों में करेंगें (**इसे अन्य जातियों का समय** कहा जाता है)

वचनों पर हम फिर से ध्यान देंगे -

यहेजकेल (Ezekiel) 21:27 "मैं उसको उलट दूंगा और उलट पुलट कर दूंगा; हां उलट दूंगा और जब तक उसका अधिकारी न आए तब तक वह उलटा हुआ रहेगा; तब मैं उसे दे दूंगा"

इस वचन में **"उसका"** अधिकारी यीशु को दर्शाता है। परमेश्वर के राज्य में यीशु राजा होंगे और राजा बनने के लिए यीशु **आएंगे**--लेकिन अपने पहले आगमन में **नहीं** बल्कि अपने **दूसरे आगमन** में!

यहूदी इसको समझ नहीं सके कि उनका मसीहा अपने दूसरे आगमन में राजा बनेगा। वे लोग **यशायाह 9:6** के वचनों के मतलब को गलत समझ बैठे -

यशायाह (Isaiah) 9:6 "क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और प्रभुता उसके कांधे पर होगी, और उसका नाम अदभुत युक्ति करने वाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा"

और इस प्रकार से यहूदियों ने प्रभु यीशु के राजा होने की महिमा और राज्य को उनके पहले आगमन में देखना चाहा, **लेकिन** यह बात केवल मसीहा के दूसरे आगमन में पूरी होगी, इसके बारे में वे नहीं जानते थे।

और इसके बाद से ईसाइयों **ने भी** उस राज्य को समझने की दृष्टि खो दी है, भले ही जैसा स्वामी ने सिखाया था उसके अनुसार वे इस राज्य के लिए प्रार्थना करते हैं --पर उन शब्दों का मतलब **वास्तव** में क्या है इस पर शायद ही **गौर** कर पाते हैं -
मत्ती (Mathew) 6:10 "तेरा राज्य आए। तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो"

यहूदियों ने **एक सांसारिक राज्य की प्रतिक्षा की है** जब कि ईसाइयों ने **केवल एक स्वर्गीय राज्य पर ध्यान दिया है!**

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

लेकिन सत्य यह है कि इस राज्य को एक सांसारिक और स्वर्गीय **दोनों** राज्य होना है!

यह राज्य दोनों का एक संयोजन है!

क्या आप **मानते** हैं कि परमेश्वर की पवित्र इच्छा को पाप और मृत्यु की इस पृथ्वी पर पूरा किया जा सकता है?

हाँ!

हम पढ़ते हैं --कि जब परमेश्वर का राज्य पृथ्वी पर **आएगा** तब परमेश्वर की पवित्र इच्छा को पृथ्वी पर पूरा किया जाएगा!

परमेश्वर ने यह भी प्रगट किया है कि **उनका राज्य कब** और **कैसे आएगा**!

इसे हम एक **भविष्यद्वाणी** में पाते हैं!

इसे हम दानिय्येल की पुस्तक में --दूसरे और सातवें अध्यायों में देखते हैं!!

परमेश्वर ने इस मामले को **दो** स्वपनों के द्वारा प्रकट किया है -

पहला स्वपन राजा को आया था --बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर।

दूसरा स्वपन खुद दानिय्येल **को आया था जो की परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था।**

अब हम इन **दो** स्वपनों का अध्यन्न करते हैं जिसे लगभग **2600** वर्षों पहले देखा गया था। ये स्वपन उस दिन से लेकर **वर्तमान दिन** तक जिसमें हम **अब** रहते हैं, दुनिया पर होनेवाले शासन के विषय में है।

आइये हम दानिय्येल के **दूसरे अध्याय** से पढ़ना शुरू करें -

दानिय्येल (Daniel) 2:1-11 “अपने राज्य के दूसरे वर्ष में नबूकदनेस्सर ने ऐसा स्वप्न देखा जिस से उसका मन बहुत ही व्याकुल हो गया और उसको नींद न आई। 2 तब राजा ने आज्ञा दी, कि ज्योतिषी, तन्त्री, टोनहे और कसदी बुलाए जाएं कि वे राजा को उसका स्वप्न बताएं; इसलिए वे आए और राजा के सामने हाजिर हुए। 3 तब राजा ने उनसे कहा, मैं ने एक स्वप्न देखा है, और मेरा मन व्याकुल है कि स्वपन को कैसे समझूं। 4 तब कसदियों ने राजा से अरामी भाषा में कहा, हे राजा, तू चिरंजीव रहे! अपने दासों को स्वप्न बता, और हम उसका फल बताएंगे। 5 राजा ने कसदियों को उत्तर दिया,

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

मैं यह आज्ञा दे चुका हूं कि यदि तुम फल समेत स्वप्न को न बताओगे तो तुम टुकड़े टुकड़े किए जाओगे, और तुम्हारे घर फुंकवा दिए जाएंगे। 6 पर यदि तुम फल समेत स्वप्न को बता दो तो मुझ से भांति भांति के दान और भारी प्रतिष्ठा पाओगे। इसलिये तुम मुझे फल समेत स्वप्न बाताओ। 7 उन्होंने दूसरी बार कहा, हे राजा, स्वप्न तेरे दासों को बताया जाए, और हम उसका फल समझा देंगे। 8 राजा ने उत्तर दिया, मैं निश्चय जानता हूं कि तुम यह देखकर, कि राजा के मुंह से आज्ञा निकल चुकी है, समय बढ़ाना चाहते हो। 9 इसलिये यदि तुम मुझे स्वप्न न बताओ तो तुम्हारे लिये एक ही आज्ञा है। क्योंकि तुम ने गोष्ठी की होगी कि जब तक समय न बदले, तब तक हम राजा के साम्हने झूठी और गपशप की बातें कहा करेंगे। इसलिये तुम मुझे स्वप्न बताओ, तब मैं जानूंगा कि तुम उसका फल भी समझा सकते हो। 10 कसदियों ने राजा से कहा, पृथ्वी भर में ऐसा कोई मनुष्य नहीं जो राजा के मन की बात बता सके; और न कोई ऐसा राजा, या प्रधान, या हाकिम कभी हुआ है जिसने किसी ज्योतिषी, या तन्त्री, या कसदी से ऐसी बात पूछी हो। 11 जो बात राजा पूछता है, वह अनोखी है, और देवताओं को छोड़ कर जिनका निवास मनुष्यों के संग नहीं है, और कोई दूसरा नहीं, जो राजा को यह बता सके”

यहाँ पर हम देखते हैं कि **राजा नबूकदनेस्सर -**

जो कि उस समय बेबीलोन और **पूरे संसार** का राजा था -

वह एक **भयानक** स्वपन देखता है जो उसे परेशान कर देता है ("उसका **मन** बहुत ही व्याकुल हो गया")

इतना कि वह बीच रात में जाग जाता है और आगे सो नहीं पाता है!!

जल्द ही वह स्वपन के विवरण को भी याद करने में **असमर्थ** हो जाता है -

--वह स्वपन उसकी स्मृति से उड़ जाता है!

लेकिन उसके अन्दर की भावना उसे अत्यन्त परेशान करनेवाली भावना होती है और उसे शीघ्र गुस्सा आ जाता है!

इस प्रकार से वह राजा इस अत्यन्त **परेशान** अवस्था में (उसी रात को!) अपने राज्य के सभी बुद्धिमान लोगों को बुलाता है -

ज्योतिषि, तंत्री, टोनहे, कसदि (गणितज्ञ)!

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

वे सभी इसलिए बुलाये गए थे ताकि राजा को उसका स्वपन इसके अर्थ के साथ बता सकें।

कोई भी ऐसा करने में सफल नहीं हो सका!!

इसके बाद हम आगे एक वचन में पढ़ते हैं...

दानिय्येल (Daniel) 2:12 "इस पर राजा ने झुंझलाकर, और बहुत की क्रोधित होकर, बेबीलोन के सब पण्डितों के नाश करने की आज्ञा दे दी"

इस बात पर राजा क्रोधित हो गया और उसने बेबीलोन के **<u>सब</u>** पण्डितों का **नाश** करने की आज्ञा दे दी!

जी हाँ! राजा के पण्डितों का पूरा विभाग!

ऐसा हुआ कि दानिय्येल और उसके तीन मित्र भी उन पण्डितों के विभाग में थे -- हालांकि उस समय उपस्थित **नहीं** थे।

-वे उस समय युवक थे और छोटे पद पर थे!

इसके बाद हम आगे एक वचन में पढ़ते हैं...

दानिय्येल (Daniel) 2:14-16 "तब दानिय्येल ने, अंगरक्षकों के प्रधान अर्योक से, जो बेबीलोन के पण्डितों को घात करने के लिये निकला था, सोच विचारकर और बुद्धिमानी के साथ कहा; 15 और राजा के हाकिम अर्योक से पूछने लगा, यह आज्ञा राजा की ओर से ऐसी उतावली के साथ क्यों निकली? तब अर्योक ने दानिय्येल को इसका भेद बता दिया। 16 और दानिय्येल ने भीतर जाकर राजा से विनती की, कि उसके लिये कोई समय ठहराया जाए, ताकि वह महाराज को स्वप्न का फल बता सके"

दानिय्येल को इस मामले के बारे में अंगरक्षकों के प्रधान **अर्योक** से मालूम चलता है तब वो सोच विचारकर बुद्धिमानी से राजा से स्वपन का फल बताने के लिए **समय** ठहराने की विनती करता है।

इसके बाद क्या होता है? हम इन वचनों में पढ़ते हैं...

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

दानिय्येल (Daniel) 2:17-19 "तब दानिय्येल ने अपने घर जाकर, अपने संगी हनन्याह, मीशाएल, और अजर्याह को यह हाल बता कर कहा, 18 इस भेद के विषय में स्वर्ग के परमेश्वर की दया के लिये यह कहकर प्रार्थना करो, कि बेबीलोन के और सब पण्डितों के संग, दानिय्येल और उसके संगी भी नष्ट न किए जाएं। 19 तब वह भेद दानिय्येल को रात के समय दर्शन के द्वारा प्रगट किया गया। तब दानिय्येल ने स्वर्ग के परमेश्वर का यह कह कर धन्यवाद किया"

दानिय्येल और उसके तीन यहूदी मित्र -- **मीशाएल**, **अजर्याह** और **हनन्याह** (जो कि शद्रक, मेशक और अबेदनगो नाम से **प्रसिद्ध** थे) मिलकर प्रार्थना सभा करते हैं और परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं और तब परमेश्वर दानिय्येल पर उस स्वपन के भेद को रात के समय जब वो सो रहा था, दर्शन के द्वारा प्रगट करते हैं।
इस प्रकार से परमेश्वर के इस स्वपन के रहस्य और उसके फल को प्राप्त करने के बाद दानिय्येल स्वंय को अगले दिन राजा के सामने प्रस्तुत करता है और स्वपन के बारे में समझाना शुरू करता है। इसके बारे में हम इन वचनों में पढ़ते हैं -

दानिय्येल (Daniel) 2:28-30 "परन्तु भेदों का प्रगटकर्त्ता परमेश्वर स्वर्ग में है; और उसी ने नबूकदनेस्सर राजा को बताया है कि अन्त के दिनों में क्या क्या होनेवाला है। तेरा स्वपन और जो कुछ तू ने पलंग पर पड़े हुए देखा, वह यह है: 29 हे राजा, जब तुझ को पलंग पर यह विचार आया कि भविष्य में क्या क्या होनेवाला है, तब भेदों को खोलने वाले ने तुझ को बताया कि क्या क्या होनेवाला है। 30 मुझ पर यह भेद इस कारण नहीं खोला गया कि मैं और सब प्राणियों से अधिक बुद्धिमान हूं, परन्तु केवल इसी कारण खोला गया है कि स्वपन का फल राजा को बताया जाए, और तू अपने मन के विचार समझ सके"

उस स्वपन के बारे में राजा को बताने से पहले, दानिय्येल ने पूरा श्रेय और महिमा परमेश्वर को दी और राजा को यह बताया कि वह दूसरे पण्डितों से ज्यादा बुद्धिमान नहीं है बल्कि इस **रहस्य** को परमेश्वर ने उसपर प्रगट किया है।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इस तरह के आदर पाने के पल में विनम्रता का क्या उत्कृष्ट उदाहरण हम दानिय्येल में देखते हैं!

इस तरह से दानिय्येल ने बात करना आरम्भ किया ...

दानिय्येल (Daniel) 2:31-35 "हे राजा, जब तू देख रहा था, तब एक बड़ी मूर्ति देख पड़ी, और वह मूर्ति जो तेरे सामने खड़ी थी, वह लम्बी चौड़ी थी; उसकी चमक अनुपम थी, और उसका रूप भयंकर था। 32 उस मूर्ति का सिर तो चोखे सोने का था, उसकी छाती और भुजाएं चान्दी की, उसका पेट और जांघे पीतल की, 33 उसकी टांगे लोहे की और उसके पांव कुछ तो लोहे के और कुछ मिट्टी के थे। 34 फिर देखते देखते, तू ने क्या देखा, कि एक पत्थर ने, बिना किसी के खोदे, आप ही आप उखड़कर उस मूर्ति के पांवों पर लगकर जो लोहे और मिट्टी के थे, उनको चूर चूर कर डाला। 35 तब लोहा, मिट्टी, पीतल, चान्दी और सोना भी सब चूर चूर हो गए, और धूपकाल में खलिहानों के भूसे के समान हवा से ऐसे उड़ गए कि उनका कहीं पता न रहा; और वह पत्थर जो मूर्ति पर लगा था, वह बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी में फैल गया"

यहाँ दानिय्येल स्वपन और उसके सारे हिस्सों को **सुनाता है**।

वह बताता है कि राजा ने एक बड़ी मूर्ति देखी जो पूर्णतया धातु से बनी थी -- **एक विभिन्न प्रकार के धातुओं से बनी छवि**, और यह दिखने में और आकार में **भयंकर** थी और चमक में और जिस तरह से चमक रही थी, उसमें अनुपम थी।

इसके बाद वह उस मूर्ति का वर्णन करता है और यह बताता है कि यह मूर्ति **चार प्रकार** के विभिन्न धातुओं से मिलकर बनी थी।

उसने बताया कि उस मूर्ती का सिर चोखे **सोने** का था, उसकी छाती और भुजाएँ **चाँदी** की थी, उसका पेट और जाँघें **पीतल** की थी, उसकी टाँगें **लोहे** की और उसके पाँव कुछ तो **लोहे के और कुछ मिट्टी** के थे।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इसके बाद दानिय्येल ने बताया कि राजा ने देखा था कि, एक पत्थर ने, ("बिना किसी के खोदे") अपने आप ही **उखड़कर** उस मूर्ति के पाँवों पर लगकर जो लोहे और मिट्टी के थे, उनको चूर चूर कर डाला और इसके बाद एक एक करके पूरी मूर्ति को चूर चूर कर डाला, इस तरह से कि सारा भूंसे के समान हवा में उड़ गया। और वह पत्थर जो उस मूर्ति पर लगा था, एक स्थान पर स्थिर हो गया और उसके बाद बढ़ने लगा ताकि, "एक बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी पर फ़ैल जाए"।

क्या स्वपन था!

इस स्वपन का मतलब क्या था?

आइए हम पढ़ते जाएँ ...

तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है

दानिय्येल (Daniel) 2:36 "स्वपन तो यों ही हुआ; और अब हम उसका फल राजा को समझा देते हैं"

यहाँ पर दानिय्येल स्वपन का फल समझाना आरम्भ करता है!

4 धातुओं से बनी छवि / प्रतिमा / मूर्ति **क्या** है?

और इसका अर्थ **क्या** है? और वह **पत्थर** किस चीज़ का चिन्ह है?

और वह पत्थर इस छवि / मूर्ति को नष्ट **क्यों** कर देता है?

आइए हम इसका उत्तर इन वचनों में देखें:

दानिय्येल (Daniel) 2:37-40 "हे राजा, तू तो महाराजाधिराज है, क्योंकि स्वर्ग के परमेश्वर ने तुझ को राज्य, सामर्थ, शक्ति और महिमा दी है, 38 और जहां कहीं मनुष्य पाए जाते हैं, वहां उसने उन सभों को, और मैदान के जीवजन्तु, और आकाश के पक्षी भी तेरे वश में कर दिए हैं; और तुझ को उन सब का अधिकारी ठहराया है। यह सोने का सिर तू ही है। 39 तेरे बाद एक राज्य और उदय होगा जो तुझ से छोटा होगा; फिर एक और तीसरा पीतल का सा राज्य होगा जिस में सारी पृथ्वी आ जाएगी। 40 चौथा राज्य लोहे के तुल्य मजबूत होगा; लोहे से तो सब वस्तुएं चूर चूर हो जाती और पिस जाती हैं; इसलिये जिस भांति लोहे से वे सब कुचली जाती हैं, उसी भांति, उस चौथे राज्य से सब कुछ चूर चूर हो कर पिस जाएगा"

यह एक **चित्रात्मक दृश्य** है -- जिसमें परमेश्वर **चार सर्वलौकिक सांसारिक साम्राज्यों** का वर्णन करते हैं जो कैसे पूरे संसार में शासन करेंगे।
इन साम्राज्यों की पहचान और उनके सत्ता की अवधि नीचे दी गई तालिका में पाई जाती है -

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

धातु	शरीर के अंग	अर्थ/व्याख्या	शासन की अवधि
सोना	**सिर**	**बेबीलोन साम्राज्य**	**606-538 ईसा-पूर्व (68 वर्ष)**
चाँदी	**छाती और भुजाएँ**	**मादे-फ़ारसी साम्राज्य**	**538-331 ईसा-पूर्व (207 वर्ष)**
पीतल (Bronze)	**पेट और जाँघें**	**ग्रीक / यूनानी साम्राज्य**	**331-160 ईसा-पूर्व (171 वर्ष)**
लोहा	**टाँगें और पाँव**	**रोमन साम्राज्य**	**160 ईसा-पूर्व–476 ईसा पशचात (636 वर्ष)**

मिटटी में लोहे के मिश्रण से बने पैर रोमन साम्राज्य के **गठन** में एक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह **"लोहे और मिटटी"** के बीच **समझौते** या गठबन्धन का प्रतिनिधित्व करता है।

जैसा कि हम अगले वचनों में पढ़ते हैं --

दानिय्येल (Daniel) 2:41-43 "तू ने जो मूर्ति के पांवों और उनकी उंगलियों को देखा, जो कुछ कुम्हार की मिट्टी की और कुछ लोहे की थीं, इस से वह चौथा राज्य बटा हुआ होगा; तौभी उस में लोहे का सा कड़ापन रहेगा, जैसे कि तू ने कुम्हार की मिट्टी के संग लोहा भी मिला हुआ देखा था। 42 जैसे पांवों की उंगलियां कुछ तो लोहे की और कुछ मिट्टी की थीं, इसका अर्थ यह है, कि वह राज्य कुछ तो दृढ़ और कुछ निर्बल होगा। 43 तू ने जो लोहे को कुम्हार की मिट्टी के संग मिला हुआ देखा, इसका अर्थ यह है, कि उस राज्य के लोग एक दूसरे मनुष्यों से मिले जुले तो रहेंगे, परन्तु जैसे लोहा मिट्टी के साथ मेल नहीं खाता, वैसे ही वे भी एक न बने रहेंगे"

आइये, अब हम वचन के इस हिस्से को - "लोहा कुम्हार की मिट्टी के संग मिला हुआ" समझें और पहचाने -

लोहा है ⇨ रोमन साम्राज्य और इसका सिविल (असैनिक या नागरिक) शासन।

मिट्टी है ⇨ चर्च और रोम के बिशप का पृथ्वी पर मसीह के द्वारा वादा किये गए राज्य मत्ती (Matthew) 6:10 की स्थापना करने का अधिकार होने का दावा करना।

तेरा वचन सत्य है 📖 तेरा वचन सत्य है 📖 तेरा वचन सत्य है

रोमन साम्राज्य के **विभाजन** के साथ **गठबंधन** में इस रोमन चर्च (जिसे आज यूरोप कहा जाता है), विशेष रूप से **फ्रांस** (जिसे तब गॉल कहा जाता था), के सम्राटों पेपिन और शारलेमेन के तहत आरम्भ हुआ, जिसे प्राचीन इतिहास में **"पवित्र रोमन साम्राज्य"** कहा जाता है ।

लोहा और मिट्टी का पाँव इस पवित्र रोमन साम्राज्य को दर्शाता है।

तब "लोहे और कुछ मिट्टी" की बनी **10 पाँव की उंगलियाँ** क्या हैं?
ये ईसाई राज्य या "क्रिसेन्डम" के नाम के तहत अलग-अलग स्वतंत्र राज्यों में आते हैं, जिसने बहुत बाद में पूरी दुनिया में अपने उपनिवेश बना लिये।

वे ब्रिटिश साम्राज्य, फ्रांस साम्राज्य, स्पेनिश साम्राज्य आदि थे।

मिट्टी चट्टान की एक नकल है और इसी प्रकार से ये "ईसाई राज्य" अपनी योजना के अनुसार नकली, जाली राज्य हैं , ये राज्य **परमेश्वर या मसीह के नहीं** और **न** ही उनकी योजना के अनुसार हैं।

और उसके बाद क्या होता है?

आइये हम वचनों को पढ़ना जारी रखें -

दानिय्येल (Daniel) 2:44-45 "उन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर, एक ऐसा राज्य उदय करेगा जो अनन्तकाल तक न टूटेगा, और न वह किसी दूसरी जाति के हाथ में किया जाएगा। वरन वह उन सब राज्यों को चूर चूर करेगा, और उनका अन्त कर डालेगा; और वह सदा स्थिर रहेगा: 45 जैसा तू ने देखा कि एक पत्थर किसी के हाथ के बिन खोदे पहाड़ में से उखड़ा, और उस ने लोहे, पीतल, मिट्टी, चान्दी, और सोने को चूर चूर किया, इसी रीति महान् परमेश्वर ने राजा को जताया है कि इसके बाद क्या क्या होनेवाला है। न स्वप्न में और न उसके फल में कुछ सन्देह है"

ये चट्टान (पत्थर) क्या है?

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

यही **<u>असली</u>** राज्य है, जिसके लिए लम्बे समय से प्रार्थना भी चल रही है, परमेश्वर का वो राज्य जिसका मूल दिव्य, स्वर्गीय ("जो किसी के हाथ के बिना खोदे पहाड़ में से उखड़ा") है, जो "इन राजाओं के **दिनों**" में पृथ्वी पर स्थापित किया गया है।
जी हाँ! परमेश्वर का राज्य मनुष्यों का या मनुष्यों से उत्पन्न **नही** है बल्कि यह परमेश्वर का है और इसकी **उत्पत्ति** दिव्य है!
ये राज्य **पहले** "वर्तमान बुरे संसार" के सारे राज्यों को समाप्त करेगा, और फिर "बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी पर फैल जायेगा "- और वह यह है कि, सारी पृथ्वी पर परमेश्वर का धार्मिक राज्य और उनकी इच्छा स्थापित होगी।
इस प्रकार नबूकदनेस्सर के इस सपने में, परमेश्वर ने दुनिया के साम्राज्य का अनुक्रम दिखाया है, जो कि मानव **इतिहास** में दानिय्येल के दिन से हमारे वर्तमान समय तक स्थापित किया जाएगा।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

अब हम देखते हैं दानिय्येल भविष्यद्वक्ता के खुद के द्वारा देखा गया सपना जिसका वर्णन दानिय्येल की पुस्तक के **सातवें अध्याय** में किया गया है।

दानिय्येल (Daniel) 7:1-2 "बेबीलोन के राजा बेलशस्सर के पहले वर्ष में, दानिय्येल ने पलंग पर स्वप्न और दर्शन देखे । तब उसने वह स्वप्न लिखा, और बातों का सारांश भी वर्णन किया । दानिय्येल ने यह कहा, "मैं ने रात को यह स्वप्न देखा कि महासागर पर चारों और आंधी चलने लगी"।

यहां दानिय्येल का सपना **"महासागर पर"** स्वर्ग की **"चारों ओर से चलनेवाले आंधी"** के झोंके के एक दर्शन के साथ शुरू होता है!!

इसका मतलब क्या है?

यहां पर "स्वर्ग" पृथ्वी के **आत्मिक शासकत्व** का प्रतिनिधित्व करता है।

"चार आँधियाँ" सांसारिक शासकत्व और उस माध्यम का प्रतिनिधित्व करती हैं जिसके द्वारा आत्मिक नियंत्रण या शासकत्व का प्रयोग किया जायेगा।

'चार' अंक पृथ्वी पर के चार राजनैतिक / सामाजिक / आर्थिक / धार्मिक - सांसारिक व्यवस्थाएं का प्रतिनिधित्व करता है।

अब स्वर्ग और चार आँधियों का कुल प्रभाव **"महासागर"** पर है जो मानव जाति की दुनिया का इसकी वर्तमान पाप और मृत्यु की स्थिति में प्रतिनिधित्व करता है, जैसा की हम यशायाह 57:20 वचन में पढ़ते हैं -

यशायाह (Isaiah) 57:20 "परन्तु दुष्ट तो लहराते हुए समुद्र के समान हैं जो स्थिर नहीं रह सकता; और उसका जल मैल और कीच उछालता है।"

सब मिलाकर यह **दूसरी दुनिया** का एक विशेष निश्चित समय में उत्तम रीति से वर्णन किया हुआ एक चित्र है, जब की ये भविष्यद्वाणी बनी और इसका पता चला!

और इसके बाद हम आगे दानिय्येल 7:3 वचन में पढ़ते हैं -

दानिय्येल (Daniel) 7:3 "तब समुद्र में से चार बड़े बड़े जन्तु, जो एक दूसरे से भिन्न थे, निकल आए।"

ये चार जंतु क्या हैं?

वे **दानिय्येल की पुस्तक के दूसरे अध्याय** में वर्णित **चार सांसारिक साम्राज्यों** के अलावा अन्य कोई नहीं।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

जैसा की हम दानिय्येल 7:17 वचन में पढ़ते हैं -

दानिय्येल (Daniel) 7:17 “उन चार बड़े बड़े जन्तुओं का अर्थ चार राज्य हैं, जो पृथ्वी पर उदय होंगे।”

देखा! वे वही **चार** सर्वलौकिक साम्राज्यों या राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उसके बाद क्या होता है? आइये हम देखें दानिय्येल 7:4 वचन में पढ़ते हुये -
दानिय्येल (Daniel) 7:4 “पहला जन्तु सिंह के समान था और उसके पंख उकाब के से थे। मेरे देखते देखते उसके पंखों के पर नोचे गए और वह भूमि पर से उठाकर, मनुष्य के समान पांवों के बल खड़ा किया गया; और उसको मनुष्य का हृदय दिया गया।”

इसका क्या मतलब है या ये क्या दर्शाता है?

यह प्रथम सांसारिक साम्राज्य - **बेबीलोन साम्राज्य** का एक प्रतीकात्मक चित्र है.
अब हम इन चिन्हों को समझते हैं-

 # पहला जंतु

“सिंह के समान” ➪ यह बेबीलोन की महान शक्ति और बल को दर्शाता है, लेकिन इस "सिंह" के पंख उकाब के थे!

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

"उकाब के पंख" ➪ यह बेबीलोन की महान **ऊंचाइयों** की वृद्धि को दर्शाता है जैसा कि हम दानिय्येल 4:22 वचन में पढ़ते हैं।

दानिय्येल (Daniel) 4:22 "हे राजा, वह तू ही है। तू महान और सामर्थी हो गया, तेरी महिमा बढ़ी और स्वर्ग तक पहुंच गई, और तेरी प्रभुता पृथ्वी की छोर तक फैली है"।

बेबीलोन की महिमा की ऊंचाइयों को उकाब के पंखों के द्वारा दर्शाया गया है - क्योंकि **केवल** यही पक्षी है जो कि आकाश में इतनी ऊंची उड़ान भर सकता है!
सिंह स्वयं महान महिमा और ऊंचाई पर पहुँचे बेबीलोन के **चिन्ह** के लिए पर्याप्त नहीं था।

सिंह को "उकाब के पंखों" की जरूरत थी!

"मेरे देखते देखते" ➪ यह बेबीलोन के इतिहास में कुछ समय बीतने का चिन्ह है।

"पंखों के पर नोचे गए" ➪ यह दर्शाता है कि कैसे नबूकदनेस्सर के शाही अधिकार और महिमा छीन लिये गये, जैसा कि दानिय्येल 4:31 वचन में लिखा गया है।

दानिय्येल (Daniel) 4:31 "यह वचन राजा के मुंह से निकलने भी न पाया था कि आकाशवाणी हुई, "हे राजा नबूकदनेस्सर, तेरे विषय में यह आज्ञा निकलती है: राज्य तेरे हाथ से निकल गया, ।"

"मनुष्य का ह्रदय दिया गया" ➪ यह नबूकदनेस्सर के **"7 काल"** तक एक पशु की तरह बनने के बाद के अनुभवों और उसके दीन होने और उसके द्वारा **"स्वर्ग के परमेश्वर"** की सराहना करने को दर्शाता है। जैसा कि दानिय्येल 4:34-47 वचन में लिखा गया है।

 # दूसरा जंतु

इसके बाद हम दूसरे जंतु के बारे में पढ़ते हैं--

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

दानिय्येल (Daniel) 7:5 “फिर मैं ने एक और जन्तु देखा जो रीछ के समान था, और एक पांजर के बल उठा हुआ था, और उसके मुंह में दांतों के बीच तीन पसलियाँ थीं; और लोग उससे कह रहे थे, उठकर बहुत मांस खा”।

यह **मादे - फारसी साम्राज्य** का एक चित्र है।

“रीछ के समान” ➪ यह मादे - फारसी साम्राज्य का एक चिन्ह है।

ऐसा क्यों, आप पूछ सकते हैं?

मादे - फारसी **घेराबंदी बिछाने** की प्रणाली में माहिर थे।

और अपने दुश्मनों को घेर लेते थे - इस प्रकार से खाद्य सामग्री की आपूर्ति को **काट** देते थे और जीवन निचोड़ लेते थे जैसे की **"रीछ की पकड़"** जो कि इतनी तंग है कि शिकार का सांस लेना बंद हो जाता है और उसका शिकार बने लोगों का जीवन निचोड़े जाने का कारण बनता है।

इसलिए इस तरीके से मादे - फारसी साम्राज्य एक रीछ की तरह था!

“एक पांजर के बल उठा हुआ था” ➪ यह इस साम्राज्य के राजाओं के बीच मादी की तुलना में अधिक फारसियों के होने के असंतुलन को दर्शाता है - **दो हाथ मादियों और फारसियों के गठबंधन** को दर्शाते हैं।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

"मुंह के दांतों के बीच तीन पसलियाँ थीं" ➪ ये यह दर्शाता है कि बिल्कुल वैसे ही जैसे जंतु अन्य जंतुओं को निगलते हैं, उसी प्रकार यहाँ हम देखते हैं कि मादे - फारसियों ने दुनिया पर प्रभुत्व पाने से पहले **तीन** मुख्य राज्यों पर विजय पायी और उन्हें नष्ट कर दिया।

वे ये थे -

- **1. मिस्र के राज्य**
- **2. लीदीया के राज्य**
- **3. बेबीलोन के राज्य**

"उठकर बहुत मांस खा" ➪ यह मादे -फारसी साम्राज्य के बेबीलोन साम्राज्य को प्राप्त करने और नष्ट करने के लिए मिले गये दिव्य अधिकार का उल्लेख करता है जैसा कि हम दानिय्येल 5:28, 30-31 वचन में पढ़ते हैं -

दानिय्येल (Daniel) 5:28, 30-31 "परेस, अर्थात तेरा राज्य बांटकर मादियों और फारसियों को दिया गया है ॥ उसी रात कसदियों का राजा बेलशस्सर मार डाला गया, और दारा मादी जो कोई बासठ वर्ष का था राजगद्दी पर विराजमान हुआ"॥

 # तीसरा जंतु

अब हम तीसरे जंतु पर आते हैं . . .

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

दानिय्येल (Daniel) 7:6 "इसके बाद मैं ने दृष्टि की और देखा, कि चीते के समान एक और जन्तु है जिसकी पीठ पर पक्षी के से चार पंख हैं; और उस जन्तु के चार सिर थे; और उसको अधिकार दिया गया"।

यह **यूनानी या ग्रीक साम्राज्य** का एक **प्रतीकात्मक** चित्र है।

आइये अब हम इन चिन्हों को समझें -

चीता के समान ➪ जिस गति से ग्रीक साम्राज्य स्थापित किया गया था उसके कारण यह ग्रीक साम्राज्य का चिन्ह है। यूनानियों के महान राजा **"महान अलेक्जेंडर (सिकंदर)"** ने जिस **गति** से पूरी दुनिया पर विजय प्राप्त की, उसको "चीता" दर्शाता है जो कि पृथ्वी पर सबसे तेज जानवर है!!

"जिसकी पीठ पर पक्षी के से चार पंख हैं" ➪ यह इसको दर्शाता है कि अलेक्जेंडर की विजय **चार** प्रमुख जनरलों की मदद और उनके माध्यम से ही सक्षम हुई - जब **"चीता"** न केवल दौड़ा लेकिन उसने **उड़ान** भी भरी और शायद ही जमीन को छुआ, या पूरी दुनिया पर विजय के अभियान को शायद ही बंद किया!!

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इस जंतु के चार सिर थ ➪ यह इस तथ्य को दर्शाता है कि शायद ही थी साम्राज्य की स्थापना की गई और सिकंदर की मृत्यु हो गई (**32** साल की उम्र में) और उसके कोई बच्चा नहीं था और कोई **वारिस न** होने के कारण उसके साम्राज्य को चार भागों में विभाजित किया गया था। उसके **चार** जनरलों के नेतृत्व या राजपाट के अंतर्गत जैसा कि हम नीचे पढ़ते हैं -

जनरल कॉसेंडर (General Cassander) - मैसेडोनिया और ग्रीस (Macedonia and Greece)

जनरल लिसीमॅकस (General Lysimachus) - एशिया माइनर और थ्रेस (Asia Minor and Thrace)

जनरल सेल्यूकस निकेटर (General Seleucus Nicator) - मेसोपोटामिया और सीरिया (Mesopotamia and Syria)

जनरल टॉलेमी (General Ptolemy) - मिस्र और फिलिस्तीन (Egypt and Palestine)

और इसके बाद हम चौथे जंतु के बारे में पढ़ते हैं।

 # चौथा जंतु:

दानिय्येल (Daniel) 7:7 “फिर इसके बाद मैं ने स्वप्न में दृष्टि की और देखा, कि एक चौथा जन्तु है जो भयंकर और डरावना और बहुत सामर्थी है; और उसके बड़े बड़े लोहे के दांत हैं; वह सब कुछ खा डालता है और चूर चूर करता है, और जो बच जाता है, उसे पैरों से रौंदता है। और वह सब पहले जन्तुओं से भिन्न है; और उसके दस सींग हैं”।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

यह घिनौना जंतु "भयंकर और डरावना" और "बहुत सामर्थी" था जो पृथ्वी पर के किसी भी जंतु से अलग था - यह **चौथे** सांसारिक साम्राज्य का एक **प्रतीकात्मक** चित्र है जो कि **रोमन साम्राज्य** है।

आइये अब हम इन चिन्हों को समझते हैं -

"बहुत सामर्थी" ⇨ यह रोम की **सैन्य शक्ति** का प्रतिनिधित्व करता है जो उनके पहले के किसी भी साम्राज्य से अधिक था।

"उसके बड़े बड़े लोहे के दाँत थे" ⇨ जैसा कि जन्तु **हमले** के हथियार के रूप में उनके दांत का उपयोग करते हैं, वैसे ही यह रोम के **"युद्ध के तरीकों"** को और उनके लड़ाई और **शस्त्रागार** और **हथियार** में **लोहे** के व्यापक उपयोग को दर्शाता है जो उनके पहले के किसी भी साम्राज्य से अलग था और जिससे वे बचाव में बहुत मजबूत बने।

"उसके दस सींग थे" ⇨ विशाल रोमन साम्राज्य **दस खंडों में उप-विभाजित किया गया था**, प्रत्येक एक राजा के अंतर्गत । उदाहरण: फिलिस्तीन हेरोदेस राजाओं के अंतर्गत था। **(लूका 23:7 / प्रेरितों के काम 25:13)**

इसके बाद हम आगे पढ़ते हैं -

तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है

दानिय्येल (Daniel) 7:8 “मैं उन सींगों को ध्यान से देख रहा था तो क्या देखा कि उनके बीच एक और छोटा सा सींग निकला, और उसके बल से उन पहले सींगों में से तीन उखाड़े गए; फिर मैं ने देखा कि इस सींग में मनुष्य की सी आंखें, और बड़ा बोल बोलने वाला मुंह भी है”।

यह क्या दर्शाता है? इसका मतलब हम नीचे देखते हैं -

"मैं उन सींगों को ध्यान से देख रहा था" ➪ यह रोमन साम्राज्य में समय बीतने को दर्शाता है जिसके बाद **कुछ हुआ!**

“उनके बीच एक और छोटा सा सींग निकला” ➪ यह रोमन साम्राज्य के एक उप - विभाजित राज्य के **ऊपर उठने को** दर्शाता है।

"उन पहले सींगो में से तीन उखाड़े गये" ➪ यह रोमन साम्राज्य के तीन गिरे हुए शासनों - **हेरुली (HERULI), पूर्वी एक्स्ट्राशेट (EASTERN EXTRARCHATE) और ऑस्ट्रोगौट्स (OSTROGOTHS)** को दर्शाता है जिसके **अंत** ने "छोटे सींग" के लिए रास्ता बना दिया।

ये 'छोटा सा सींग" क्या या किसका प्रतिनिधित्व करता है?

यह रोम से **उत्पन्न** रोम के बिशप की **शक्ति** के ऊपर उठने को दर्शाता है जिसने एक **अजीब तरह** के राज्य की स्थापना करने की कोशिश की।

आइये हम आगे देखें -

"इस सींग में मनुष्य की सी आंखें और बड़ा बोल बोलनेवाला मुँह भी है" ➪

यह रोम के बिशप के द्वारा वचनों के **महान दिव्य दावों** के माध्यम से रोमन साम्राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए इस्तेमाल किये गए **सूक्ष्म** और **चालाक** तरीकों को दर्शाता है, जिसके द्वारा पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य की स्थापना का दावा किया गया था।

इस प्रकार पोप के पद का जन्म हुआ।

प्रत्येक पोप एक राजा की तरह था, जो **सिविल** और **धार्मिक <u>दोनों</u>** मामलों में शासन का दावा करता था, जो कि अन्य राजाओं (या "सींग") के विपरीत है।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इस प्रकार यह "छोटा सा सींग" **पोप** के शासन को दर्शाता है -- ये एक अजीब तरह का शासन था जो **पवित्र रोमन साम्राज्य** को स्थापित करने के लिए चला **(799 ईस्वी में)** जहां सभी राजाओं और यूरोप के सम्राट पोप के आधीन किए गए थे।

चर्च प्रभु के दूसरे आगमन से पहले से ही शासन करने लगा था!

इसके बाद, यह भविष्यद्वाणी में क्या होता है? आइये हम आगे पढ़ते हुये देखते हैं ....

दानिय्येल (Daniel) 7:9 "मैं ने देखते देखते अन्त में क्या देखा, कि सिंहासन रखे गए, और कोई अति प्राचीन विराजमान हुआ; उसका वस्त्र हिम--सा उजला, और सिर के बाल निर्मल ऊन सरीखे थे; उसका सिंहासन अग्निमय और उसके पहिये धधकती हुई आग के से दिखाई पड़ते थे"।

यह **"अति प्राचीन"** - कौन है?

यह एक चिन्ह है जो परमेश्वर पिता के न्याय करने को दर्शाता है।

और हम उनके न्याय के बारे में क्या पढ़ते हैं?

दानिय्येल (Daniel) 7:12 "शेष जन्तुओं का अधिकार ले लिया गया, परन्तु उनका प्राण कुछ समय के लिये बचाया गया"।

जी हाँ! इन **"जंतुओं"** या साम्राज्यों के सांसारिक प्रभुता को ले लिया गया! - और इसे ...

दे दिया गया ...

दानिय्येल (Daniel) 7:13 "मैं ने रात में स्वप्न में देखा, और देखो, मनुष्य के सन्तान सा कोई आकाश के बादलों समेत आ रहा था, और वह उस अति प्राचीन के पास पहुंचा, और उसको वे उसके समीप लाए"।

यह कौन है?

यह हमारे प्रभु यीशु हैं जिन्हें स्वर्गीय पिता के समीप लाया जाता है!

इसके बाद हम क्या पढ़ते हैं ....

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

दानिय्येल (Daniel) 7:14 “तब उसको ऐसी प्रभुता, महिमा और राज्य दिया गया, कि देश-देश और जाति-जाति के लोग और भिन्न-भिन्न भाषा बालनेवाले सब उसके आधीन हों; उसकी प्रभुता सदा तक अटल, और उसका राज्य अविनाशी ठहरा”॥

उन्हें "प्रभुता, महीमा और राज्य" **मिलेगा** और सभी देशों के लोग उनके अधीन होंगे। उनका राज्य सदा का हो जाएगा -- और दूसरों की तरह नष्ट नहीं होगा और सर्वदा चलेगा!!

जी हाँ! प्रभु यीशु मसीह का राज्य पाँचवा सर्वलौकिक साम्राज्य होगा।

इसके बाद हम आगे पढ़ते हुये क्या देखते हैं -

दानिय्येल (Daniel) 7:27 “तब राज्य और प्रभुता और धरती पर के राज्य की महिमा, परमप्रधान ही की प्रजा अर्थात उसके पवित्र लोगों को दी जाएगी, उसका राज्य सदा का राज्य है, और सब प्रभुता करने वाले उसके आधीन होंगे और उसकी आज्ञा मानेंगे”।

जी हाँ! यह **परमेश्वर का राज्य** होगा और इस राज्य को **"संतों"** के **साथ बांटा जायेगा** - मतलब **प्रभु यीशु मसीह की कलीसिया** उनके एक वादे की पूर्ति के अनुसार इस राज्य के साँझा वारिस होंगे जो कि उन्होंने लूका 22:29 वचन में किया था -

लूका 22:29 “और जैसे मेरे पिता ने मेरे लिये एक राज्य ठहराया है, वैसे ही मैं भी तुम्हारे लिये ठहराता हूं”।

जी हाँ! **परमेश्वर का राज्य** जिसे प्रभु यीशु मसीह अपने पिता से प्राप्त करते हैं, वे उस राज्य को अपने देह के अंग - कलीसिया को दे देते हैं। यह उस समय होगा जब प्रभु यीशु मसीह दुबारा इस पृथ्वी पर आ जायेंगे, अपने राज्य को स्थापित करने के लिये **(मत्ती 6:10)** ।

अभी का समय कलीसिया के शासन करने का समय नहीं है!

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

बल्कि अपने स्वामी के पद - चिन्हों पर चलते हुए **कष्ट** उठाने का समय है और इस प्रकार से **"पुत्र के स्वरुप को प्राप्त करने में"** अपनी वफादारी को प्रकट करने का समय है।

इसे हम स्पष्ट रूप से इन वचनों में देखते हैं -

➡ 2 तीमुथियुस (Timothy) 2:12 "यदि हम धीरज से सहते रहेंगे, तो उसके साथ राज्य भी करेंगे: यदि हम उसका इन्कार करेंगे तो वह भी हमारा इन्कार करेगा"।

➡ प्रेरितों के काम (Acts) 14:22 "और चेलों के मन को स्थिर करते रहे और यह उपदेश देते थे कि विश्वास में बने रहो; और यह कहते थे, "हमें बड़े क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा"।

➡ प्रकाशितवाक्य (Revelation) 3:21 "जो जय पाए मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊंगा, जैस मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया"।

कई लोगों ने गंभीरता से इस बात को गलत समझा और चर्च ने यीशु से पहले शासन करना शुरू कर दिया!

☞ यह **'मिट्टी'** और **'छोटा सा सींग'** था!!

लेकिन परमेश्वर का राज्य **यीशु के दूसरे आगमन** पर आता है और उनके पीछे चलने वाले सभी विश्वासी **उनके समान** और **उनके साथ** होंगे जैसा कि हम मत्ती 25:31 में पढ़ते हैं -

मत्ती (Matthew) 25:31 "जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा और सब स्वर्ग दूत उसके साथ आएंगे, तो वह अपनी महिमा के सिहांसन पर विराजमान होगा"।

जी हाँ! यह यीशु और उनकी कलीसिया का **महीमा में आना** है!

अब हमें देखना है कि हम दानिय्येल के इन सपनों में **आज** कहाँ है!!

☞ आज के समय में हम कोई **राजा नहीं** देखते हैं!!

☞ सारे राज्य लुप्त हो गये हैं!!

क्यों?

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

क्योंकि हम इन सांसारिक साम्राज्यों और शक्तियों के शासन के अंत समय में जी रहे हैं और पांचवा सर्वलौकिक राज्य बिलकुल दरवाजे पर है -- पृथ्वी पर परमेश्वर का राज्य!

हम आजकल की घटनाओं के बारे में भजन संहिता 110:5 वचन में पढ़ते हैं ...

भजन संहिता (Psalms) 110:5 "प्रभु तेरी दाहिनी ओर होकर अपने क्रोध के दिन राजाओं को चूर कर देगा"।

जी हाँ! सभी **राजतंत्र** और राज्य पृथ्वी से गायब हो गए हैं।

☞ और फिर .....

भजन संहिता (Psalms) 110:6 "...रणभूमि मृत लोगों से भर जाएगी..."।

जितने लोग पिछले 75 वर्षों में **मरे** हैं उतने पहले कभी नहीं मरे - युद्ध पर युद्ध...! पहला विश्व युद्ध, दूसरा विश्व युद्ध, वियतनाम युद्ध, कोरियाई युद्ध, ईरान - इराक युद्ध आदि आदि हुए

...और उसके बाद कई देशों में स्वतंत्रता के संघर्ष के अलावा क्रांतियां भी हुईं।

हजारों के कई सौ लोग इन युद्धों में मारे गए और सही मायने में "सभी रणभूमि" **(देश)** "शवों" **(मृत लोगों)** से भर गए हैं।

वास्तव में परमेश्वर के राज्य की स्थापना शुरू हो गयी है!

राजतन्त्र (राजाओं के शासन) के बाद परमेश्वर की ओर से सरकार के अन्य रूपों की अनुमति दी गयी है - लेकिन सब स्वार्थ और लालच के कारण असफल हो जायेंगे!

आइये हम सरकार के विभिन्न रूपों को देखते हैं जो प्रकट हुए हैं -

☞ साम्यवाद (Communism) ➪ चीन और रूस और यूरोप के सभी भाग साम्यवाद के अधीन थे।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

सभी ने सोचा ये शांति और समृद्धि लायेगा।

फिर क्या हुआ?

रूस कई टुकड़ों में टूट गया और साम्यवाद का अंत हो गया और इसी प्रकार अन्य सभी देशों में भी यहां तक कि चीन में भी इसका अंत हो गया!!

समाजवाद (Socialism) ➪ यह भी अपर्याप्त और बेकार साबित हुआ।

लोकतन्त्र (Democracy) ➪ दुनिया के **महान** लोकतंत्र में पहला उदाहरण भारत का देखें!

सबसे पहले कांग्रेस दल लंबे समय के लिए अकेला ही शासक था...

फिर क्या हुआ?

भाजपा को अन्य दलों के गठबंधन के साथ-साथ एक **मौका** दिया गया था।

और भारत अभी भी **बहु तदलों के गठबंधन** से होकर जा रहा है!

सभी कोशिश करेंगे और **असफल** हो जायेंगे और कोई भी सभी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम नहीं होंगे!

इसके बारे में स्पष्ट भविष्यद्वाणी इस वचन में की गयी है -

आमोस (Amos) 5:19 “जैसा कोई सिंह से भागे और उसे भालू मिले; या घर में आकर भीत पर हाथ टेके और सांप उसको डसे”।

इसका मतलब क्या है?

आइये अब हम इस भविष्यद्वाणी का मतलब देखें -

यह हमारे समय की और **<u>राजतंत्र के बाद</u>** विकसित हुए सरकार के विभिन्न रूपों की भविष्यद्वाणी है!

यहाँ "कोई" ➪ मानवजाति की दुनिया - इस संसार के सभी देशों को दर्शाता है।

"सिंह" ➪ यह ब्रिटिश साम्राज्य के चिन्ह को दर्शाता है।

- जो **राजतंत्र** की सबसे बड़ी प्रणाली थी और अंत में प्रथम विश्व युद्ध के बाद टूट गयी।

यह **सरकार के रूप में** राजतन्त्र के गिरने और उसके **अंत** को दर्शाता है...

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: <u>thekingdomgospel2874@gmail.com</u>
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

"भालू" ⇨ यह **साम्यवाद** को दर्शाता है जिसका चिन्ह हम रूस में देखते हैं **(भालू साम्यवादी रूस का एक चिन्ह था)** जो एक संतोषजनक सरकार का रुप होने में विफल रहा और **विफल** हो गया।

"घर" ⇨ यह **लोकतंत्र** को दर्शाता है जो कि लोगों **की**, लोगों **के** द्वारा और लोगों **के** लिये बनी सरकार है - एक **"भवन (घर)"** के रूप में बनी सरकार!

"भीत पर हाथ टेके" ⇨ये एक समय के लिए लगने वाली **आदर्शरूपी सरकार को दर्शाता है** जिससे सुरक्षित महसूस किया गया था।

"साँप उसको डसे" ⇨ लोकतंत्र भी स्वार्थ और लालच और उन **सरकारों** के भीतर भ्रष्टाचार के शैतान जैसे गुणों के कारण **असफल हो जायेगा** ।

जी हाँ! मानवीय सरकारों के सभी रूपों का **निश्चित** विनाश हो जायेगा।

इस प्रकार परमेश्वर का राज्य ही सभी समस्याओं का जवाब होगा!

क्योंकि हम भविष्यद्वाणी में क्या पढ़ते हैं? आइये हम हाग्गै 2:7 वचन को पढ़ते हैं -
हाग्गै (Haggai) 2:7 "...और सारी जातियों की मनभावनी वस्तुएं आएंगी"...।

जी हाँ! परमेश्वर का राज्य **"सभी जातियों"** के लिये **"मनभावना"** होगा जो कि **शांति, जीवन और खुशी** लायेगा, जो संसार के सभी लोगों का मनभावना होगा।

अब आइये हम उस आनेवाले महिमामय राज्य की झलक को देखें!

शैतान और उसके प्रभाव को बांधकर हटा दिया जायेगा ⇨

प्रकाशितवाक्य (Revelation) 20:2,3 "उस ने उस अजगर, अर्थात पुराने सांप को, जो इब्लीस और शैतान है, पकड़ के हजार वर्ष के लिये बान्ध दिया, और उसे अथाह-lakुंड में डाल कर बन्द कर दिया और उस पर मुहर लगा दी कि वह हजार वर्ष के पूरे होने तक

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

जाति जाति के लोगों को फिर न भरमाए। इसके बाद अवश्य है कि वह थोड़ी देर के लिये फिर खोला जाए”

लोगों के समझ की आँखों और कानों को खोला जायेगा ➪

यशायाह (Isaiah) 29:18 “उस समय बहिरे पुस्तक की बातें सुनने लेगेंगे, और अन्धे जिन्हें अब कुछ नहीं सूझता, वे देखने लेगेंगे”।

परमेश्वर का ज्ञान सबको स्पष्ट रूप से मिलेगा और पूरी पृथ्वी उनके ज्ञान से भर जाएगी ➪

जकर्याह (Zechariah) 14:9 / हबक्कूक (Habakuk) 2:14

“तब यहोवा सारी पृथ्वी का राजा होगा; और उस दिन एक ही यहोवा और उसका नाम भी एक ही माना जाएगा”॥

“क्योंकि पृथ्वी यहोवा की महिमा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसे समुद्र जल से भर जाता है”॥

सभी देशों के लोग अपनी इच्छा से परमेश्वर के पास आएंगे और उनसे सीखेंगे और उनका आज्ञा पालन करेंगे ➪ भजन संहिता (Psalms) 22:27,28 ; यशायाह (Isaiah) 2:2

“पृथ्वी के सब दूर-दूर देशों के लोग उसका स्मरण करेंगे और उसकी ओर फिरेंगे; और जाति जाति के सब कुल तेरे सामने दण्डवत करेंगे । क्योंकि राज्य यहोवा की का है, और सब जातियों पर वही प्रभुता करता है”॥

“अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि यहोवा के भवन का पर्वत सब पहाड़ों पर दृढ़ किया जाएगा, और सब पहाडियों से अधिक ऊंचा किया जाएगा; और हर जाति के लागे धारा के समान उसकी ओर चलेंगें”।

युद्ध समाप्त हो जायेंगे और सभी फ़ौज़ की सेनाएं भंग हो जाएँगी➪ मीका (Micah) 4:3

“वह बहुत से देशों के लोगों का न्याय करेगा, और दूर दूर तक की सामर्थी जातियों के झगड़ों को मिटाएगा; इसलिए वे अपनी तलवारें पीटकर हल के फाल, और अपने भालोंसे हंसिया बनाएंगे; तब एक जाति दूसरी जाति के विरुद्ध तलवार फिर न चलाएगी;”

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

☞ **लोग मरे हुओं में से जी उठेंगे (कब्र में से वापस लौट आएंगे) ➪ यशायाह (Isaiah) 35:10**

"यहोवा के छुड़ाए हुए लोग लौटकर जयजयकार करते हुए सिय्योन में आएंगे, और उनके सिर पर सदा का आनन्द होगा; वे हर्ष और आनन्द पाएंगे और शोक और लम्बी सांस का लेना जाता रहेगा"।

☞ **आयु बढ़ने की प्रक्रिया उलट जाएगी और धीरे धीरे लोग परिपूर्ण मनुष्यत्व की ओर जाने लगेंगे ➪ अय्यूब (Job) 33:25**

"उस मनुष्य की देह बालक की देह से अधिक स्वस्थ और कोमल हो जाए; उसकी जवानी के दिन फिर लौट आएंगे"।

☞ **घर की कोई समस्या नहीं होगी और सब के पास अपना घर होगा ➪ यशायाह (Isaiah) 65:21**

"वे घर बनाकर उन में बसेंगे; वे दाख की बारियां लगाकर उनका फल खाएंगे"।

☞ **कोई बीमारी नहीं रहेगी और इसीलिए अस्पतालों और दवाइयों और इंजेक्शन्स की कोई जरुरत नहीं होगी ➪ यशायाह (Isaiah) 33:24**

"कोई निवासी न कहेगा कि मैं रोगी हूं; और जो लाग उसमें बसेंगे, उनका अधर्म क्षमा किया जाएगा"।

☞ **रेगिस्तान में से जल के सोते फुट निकलेंगे और वहाँ की भूमि उपजाऊ बन जाएगी ➪ यशायाह (Isaiah) 35:7**

"मृगतृष्णा ताल बन जाएगी और सूखी भूमि में सोते फूटेंगे; और जिस स्थान में सियार बैठा करते हैं उस में घास और नरकट और सरकण्डे होंगे"।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

जंगली पशु पालतू बन जायेंगे और मनुष्य और यहाँ तक की छोटे बच्चों से भी बिलकुल मित्रवत होंगे ➪ यशायाह (Isaiah) 11:6-8

"तब भेडिया भेड़ के बच्चे के संग रहा करेगा, और चीता बकरी के बच्चे के साथ बैठा करेगा, और बछड़ा और जवान सिंह और पाला पोसा हुआ बैल तीनों इकट्ठे रहेंगे, और एक छोटा लड़का उनकी अगुवाई करेगा । गाय और रीछनी मिलकर चरेंगी, और उनके बच्चे इकट्ठे बैठेंगे; और सिंह बैल के समान भूसा खाया करेगा । दूध-पिता बच्चा करैत के बिल पर खेलेगा, और दूध छुड़ाया हुआ लड़का नाग के बिल में हाथ डालेगा"।

मृत्यु को उसकी पीड़ा और दुःख के साथ हटा दिया जायेगा ➪ प्रकाशितवाक्य (Revelation) 21:4

"वह उनकी आंखों से सब आंसू पोंछ डालेगा; और इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी; पहिली बातें जाती रहीं"।

पुरे संसार में शांति होगी और सब आनंद से जयजयकार करेंगे ➪ यशायाह (Isaiah) 14:7

"अब सारी पृथ्वी को विश्राम मिला है, वह चैन से है; लोग ऊंचे स्वर से गा उठे हैं"।

सचमुच हम प्रार्थना कर सकते हैं - अधिक ज़ोर देकर आने वाले राज्य के लिए -

"तेरा राज्य आये, तेरी इच्छा पृथ्वी पर भी हो ..."

--आमीन-

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com